जन संपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 08 नवंबर 2019

सस्टेनेबल बिज़नेस एंड एंटरप्रेन्योरशिप पर जामिया में कॉन्क्लेव

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के डिपार्टमेंट ऑफ कॉमर्स एंड बिजनेस स्टडीज ने सस्टेनेबल बिज़नेस एंड एंटरप्रेन्योरशिप विषय पर एक कॉन्क्लेव का आयोजन किया। इसमें नाइजीरिया उच्चायोग के मिनिस्टर काउंसलर, महामहिम डॉ क्रिस्टोफर नान्वोरो, मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता थे।

इसके वक्ताओं के पैनल में प्रोफेसर बी भट्टाचार्य, पूर्व डीन, भारतीय विदेश व्यापार संस्थान; श्री एज़ुगो ननमड्डी, संस्थापक, एक्सिलिएंट अफ्रीका; श्री मजी जेरी कोलिन्स, निदेशक, परियोजनाएं, एक्सिलिएंट अफ्रीका और श्री ओजसवाडवा, बिजनेस मैनेजर, फाइन केमिकल्स, ओजस इंडस्ट्रीज शामिल थे। इसमें लगभग 75 छात्रों, रिसर्च स्कॉलर्स और फैकल्टी सदस्यों ने भाग लिया।

विभाग के प्रमुख प्रोफेसर रविंदर कुमार ने इस आयोजन का उद्घाटन करते हुए व्यापार को टिकाऊ बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

सब्जेक्ट एसोसिएशन के सलाहकार डॉ नसीब अहमद ने अपनी प्रारंभिक टिप्पणी में, स्थिरता के विषय पर महात्मा गांधी के दृष्टिकोण के बारे में बताया।

महात्मा गांधी के हवाले से उन्होंने कहा, "पृथ्वी हर आदमी की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त उपलब्ध कराती है, लेकिन हर आदमी की लालच को पूरा करने के लिए नहीं"। उन्होंने अमेज़ॅन फॉरेस्ट फायर और दिल्ली की वर्तमान जलवायु परिस्थितियों से संबंधित चुनौतियों और मानव निर्मित अन्य आपदाओं के बारे में अपने तथ्यात्मक विचारों को रखा और कॉर्पोरेट क्षेत्र से आग्रह किया कि वे इन मुद्दों से निपटने के लिए काम करें, जो उद्यमशीलता और स्थायी व्यवसाय के लिए आवश्यक हैं। महामहिम डॉ क्रिस्टोफर नान्वोरो ने कहा कि दृढ़ता और सफलता पाने की लगन को शिक्षा, परिश्रम, लचीलेपन और दृढ संकल्प से मिला दिया जाए तो एक सफल और स्थायी उद्यमी उभर सकता है। उन्होंने

कहा कि विकलांगता को डिमोनेटिविंग फैक्टर नहीं माना जाना चाहिए बल्कि यह व्यक्तियों को समाज को समावेशी बनाने के लिए प्रेरित करने वाला कारक है।

प्रोफेसर बी भट्टाचार्य ने इस बात पर चर्चा की कि सतत व्यवसाय और उद्यमिता आने वाले समय में कैसे आगे बढ़ सकता है। उन्होंने अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि कैसे अफ्रीका और भारत एक साथ सतत व्यापार और उद्यमिता के मामले में काम कर सकते हैं।

एक अफ्रीकी उद्यमी, श्री इज़ुगो न्नमदी ने इस बात पर ध्यान केंद्रित किया कि कैसे अफ्रीका और भारत की साझेदारी व्यवसायों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने और उन्हें टिकाऊ बनाने की दिशा में हम कदम हो सकते हैं। उन्होंने भारत के युवाओं से अफ्रीका जाने का आग्रह किया, ताकि वहां मौजूद व्यापार परिदृश्य को समझा जा सके।

केमिकल्स, ओजस इंडस्ट्रीज बिजनेस के मैनेजर श्री ओजस वाधवा ने एक प्रबंधक के रूप में उनके सामने आई चुनौतियों पर सफलता पाने के बारे में अपने अनुभवों को पेश किया।

काॅन्क्लेव में हिस्सा लेने वालों ने वक्ताओं के पैनल से कई सवाल पूछे। जामिया के वाणिज्य और व्यवसाय अध्ययन विभाग की प्रशिक्षण और प्लेसमेंट समन्वयक, डॉ फिरदौस खानम के धन्यवाद भाषण के साथ काॅन्क्लेव का समापन हुआ।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया संयोजक